भाकृअनूप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

कोई भी कृषि कार्य करने से पहले स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार कोविड -19 दिशानिर्देशों का पालन करें

मार्च 2021 के दूसरे पखवाड़े की रणनीतियाँ

(1) प्रतिरोपित ग्रीष्मकालीन चावल

फसल जो मुख्य खेत में रोपाई नहीं की गई है

- *यदि पूर्व-आविर्भाव/शीघ्र आविर्भाव पश्चात शाकनाशियों का प्रयोग नहीं किया गया है, रोपाई के 15-20 दिनों बाद चौड़े पत्ते वाले खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए आविर्भाव-पश्चात शाकनाशी पेनोक्सुलम 1.02% + साइहालोफोप बुटाइल 5.1% (विवाया) 800 मिली/एकड़ दर पर प्रयोग करें या रोपाई के 20 एवं 40 दिन बाद हाथों से निराई करें या पंक्ति रोपण फसल में रोपाई के 20 एवं 40 दिन बाद खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए फिंगर वीडर/कोनो वीडर/धान निराई यंत्र द्वारा हाथों से निराई करें।*
- *खेत में पीला तना छेदक या पत्ता मोड़क की निगरानी के लिए 3 फीरोमोन जाल प्रति एकड़ बिठाएं। जब पीला तना छेदक के नर कीट 4 या 5 प्रति जाल हो जाएं, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली/एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या छिटकावा पद्धति से दानेदार कीटनाशक क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ प्रयोग करें या कारटाप हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 10 किग्रा/एकड़ की दर से रेत में मिलाकर 1:1 अनुपात में या 200 लीटर पानी में क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली / एकड़ दर से का छिड़काव करें।*
- *विलंबित प्रतिरोपित फसल में रोपाई के 20-25 दिन बाद दौजी निकलने की अवस्था में आधारी खुराक के रूप में प्रति एकड़ 35 किलोग्राम यूरिया का टॉप ड्रेसिंग करें। सही समय से की गई रोपाई फसल में बाली निकलने की अवस्था में 11 किलोग्राम एमओपी प्रति एकड़ के साथ 35 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़ की दर से द्वितीय बार टॉप ड्रेसिंग करें।*
- *प्रध्वंस संक्रमण के मामले में, नियंत्रण हेतु कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 2 ग्राम प्रति लीटर दर से छिड़काव करें या ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% +टेबूकोनाजोल 50% 0.4 ग्राम प्रति लीटर दर से छिड़काव करें या इडिफेनफोस 50 ईसी 200 मिली प्रति एकड़ दर से 200लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*
- *यदि फसल में भूरा धब्बा रोग प्रकोप होता है, तो मांकोजेब 50व ग्राम प्रति एकड़ या प्रोपकोनाजोल 200 मिली प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें और अतिरिक्त पोटाशियम उर्वरक 10 किग्रा/एकड़ की दर से प्रयोग करें।*

2. आर्द्र सीधी बुआई चावल

- *यदि पूर्व-आविर्भाव/शीघ्र आविर्भाव पश्चात शाकनाशियों का प्रयोग नहीं किया गया है, रोपाई के 15-20 दिनों बाद खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए आविर्भाव-पश्चात शाकनाशी पेनोक्सुलम 1.02% + साइहालोफोप बुटाइल 5.1% (विवाया) 800 मिली/एकड़ दर पर 140 लीटर*

पानी में प्रयोग करें या पंक्ति रोपण फसल में रोपाई के 20 एवं 40 दिन बाद खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए फिंगर वीडर/कोनो वीडर/धान निराई यंत्र द्वारा हाथों से निराई करें।

- *बुआई के 30-35 दिन बाद अधिकतम दौजी निकलने की अवस्था में प्रति एकड़ 22 किलोग्राम यूरिया का द्वितीय बार टॉप ड्रेसिंग करें तथा 50-550 दिन बाद बाली निकलने की अवस्था में एमओपी 11 किग्राम सहित प्रति एकड़ 22 किलोग्राम यूरिया का टॉप ड्रेसिंग करें ।*
- *पीला तना छेदक कीटों की निगरानी लगातार की जानी चाहिए। जब पीला तना छेदक के नर कीट 4 या 5 प्रति जाल हो जाएं, तो एजेडिरैक्टिन 0.15% नीम के बीज की गिरी आधारित 800 मिली/एकड़ दर से ईसी घोल छिड़काव करें या क्लोरानट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा / एकड़ रेत में मिलाकर 1:1 अनुपात में प्रयोग करें या 200 लीटर पानी में क्लोरानट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली / एकड़ दर से का छिड़काव करें।*
- *प्रध्वंस संक्रमण के मामले में, नियंत्रण हेतु कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 2 ग्राम प्रति लीटर दर से छिड़काव करें या ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25%+टेबूकोनाजोल 50% 0.4 ग्राम प्रति लीटर दर से छिड़काव करें या इडिफेनफोस 50 ईसी 200 मिली प्रति एकड़ दर से 200लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*